

21/4/25

मकडार इत

पत्रावली पेश हुई। प्राचीन अर्थों अर्थों की एक तरफ़ बसत पद चिन्तन व मनन किया गया। पत्रावली व पत्रावली पद उपलब्ध रेकर्ड का अवलोकन किया गया तो जाहिर हुआ कि प्राचीन व विपरीतों के मध्य अपनी-अपनी श्रावणकारी श्रमियों की सीमाओं का विवाद है जैसे श्री विधि से प्रत्येक श्रावणकारी की अपनी श्रावणकारी श्रमि का सीमांकन करने का अधिकार जितित है। अतः प्राचीन का प्रा० पत्र अन्तर्गत धारा 1282A का अर्थ किया जाकर ग्राम कोस प. ६० कासीवास ८६ देखा जा स्थित प्राचीन की आ. स. ५१०, ५११, ५१२ एवं विपरीतों की आ. स. ५१५, ५१६, ५१७, ५१८ के मध्य पट्टा गही करणे जाने हेतु तहसीलदार देखा जा को अंका कमिश्नर सिफुपट किये जाने के आदेश किये जाते हैं एवं तहसीलदार देखा जा को निर्दिष्ट किया जाता है कि वे उभय पट्टों को अंकित कर बिना किसी का कसबा प्रभावित किये पट्टाकारन के मध्य पट्टा गही करणे जाना सुनिश्चित करें। पावनार्थ १०२ देखा जा को सिखा जावे। पत्रावली नैसख शुमार दो नम्बर से कम की जावे।

उपसहस्र अधिकारी
नाथद्वारा / पत्रावली

मकडार इत
पत्रावली पेश हुई। प्राचीन अर्थों अर्थों की एक तरफ़ बसत पद चिन्तन व मनन किया गया। पत्रावली व पत्रावली पद उपलब्ध रेकर्ड का अवलोकन किया गया तो जाहिर हुआ कि प्राचीन व विपरीतों के मध्य अपनी-अपनी श्रावणकारी श्रमियों की सीमाओं का विवाद है जैसे श्री विधि से प्रत्येक श्रावणकारी की अपनी श्रावणकारी श्रमि का सीमांकन करने का अधिकार जितित है। अतः प्राचीन का प्रा० पत्र अन्तर्गत धारा 1282A का अर्थ किया जाकर ग्राम कोस प. ६० कासीवास ८६ देखा जा स्थित प्राचीन की आ. स. ५१०, ५११, ५१२ एवं विपरीतों की आ. स. ५१५, ५१६, ५१७, ५१८ के मध्य पट्टा गही करणे जाने हेतु तहसीलदार देखा जा को अंका कमिश्नर सिफुपट किये जाने के आदेश किये जाते हैं एवं तहसीलदार देखा जा को निर्दिष्ट किया जाता है कि वे उभय पट्टों को अंकित कर बिना किसी का कसबा प्रभावित किये पट्टाकारन के मध्य पट्टा गही करणे जाना सुनिश्चित करें। पावनार्थ १०२ देखा जा को सिखा जावे। पत्रावली नैसख शुमार दो नम्बर से कम की जावे।